ख्यालेन्द्र प्रजापति
संस्थापक/ राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रजापति हितकारणी महासभा (रजि.)

निवास : 'आशीर्वाद विला' 01,सखिया विलास झांसी रोड़
लश्कर पूर्व ग्वालियर मध्यप्रदेश-474009
दूरभाष : लश्कर 9826234968, 8839238175
ईमेल : khyalendraprajapati3@gmail.com

संदेश

सादर अभिनंदन

कुंभार (प्रजापति) प्राचीन काल से एक शिल्पकार समाज है, कुम्हार शब्द का जन्म संस्कृत भाषा के "कुंभकार" शब्द से हुआ। जो भारतवर्ष में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) की अनुसूची में आते हैं एवं भारतवर्ष के कई जिलों में अनुसूचित जाति की अनुसूची के अंतर्गत आते है। यह शिल्पकार समाज देश व प्रदेश में बहुतायत संख्या में है। आजादी के 72 वर्ष बाद अगर हम अपने आप को देखते है तो जहां थे वही पाते है। प्रजापाति हितकारणी महासभा (रजि.), सम्पूर्ण भारतवर्ष में निवासरत प्रजापति समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा में जोड़ने के लिये बनाया एक सशक्त संगठन है। यह **'संगठन नहीं परिवार है'** के मूलमंत्र को लेकर हम सभी एक साथ एक लय एवं संगठन की एक विचारधारा के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। हमारा प्रयास सशक्त एवं आत्मनिर्भर प्रजापति समाज का निर्माण करना है।

यह संगठन मानवता एवं परोपकार के लिए समर्पित होते हुए ग्वालियर, चम्बल सम्भाग का एकमात्र राष्ट्रीयकृत रजिस्टर्ड संस्थान है। प्रजापाति हितकारणी महासभा द्धारा सामाजिक कुरीतियों पर जागरूकता के लिये कार्यक्रम आयोजित किये गये है। जागरूकता महासम्मेलन, प्रजापति समाज के महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि, स्नेहमिलन समारोह के माध्यम से समाज के युवा पीढ़ी को एकत्रित कर एकता के धागे में पिरोने का कार्य कर रहे है। हम प्रजापति समाज के युवाओं एवं समाजसेवियों को जोडने हेतु प्रतिज्ञाबद्ध है एवं इस हेतु संगठन द्वारा लगातार प्रयासकिये जा रहे है। प्रजापाति हितकारणी महासभा ने विकास एवं उत्थान करने हेतु ऐसे युवाओं एवं समाजसेवियों का आव्हान किया जो समाज को शिक्षित एवं संगठित कर सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु सतत प्रयासरत है, राजनैतिक मंच पर समाज का प्रतिनिधित्व करने साहस रखते है। ऐसे युवा एवं वरिष्ठ समाजसेवियों ने हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर साथ चलने का प्रसास किया। प्रजापाति हितकारणी महासभा भविष्य में प्रजापति समाज को विकास की मुख्य धारा में जोड़ने एवं समाज के उत्थान के लिये विभिन्न कार्यक्रम करने की कार्य योजना बना रही है। जिसमें प्रमुखता से सदस्यता, सामाजिक सर्वेक्षण एवं जनगणना, आकस्मिक प्रजापति सामाजिक सहायता प्रकोष्ठ, सामाजिक कुरीतियो (दहेज, बाल विवाह , मृत्युभोज, नशा), परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह, प्रतिभा सम्मान समारोह, कैरियर मार्गदर्शन, प्रजापति समाज का गौरवशाली इतिहास एवं महापुरुषों से नई पीढ़ी को परिचित करवाना, शासन की लाभकारी योजनाओं से जरूरतमंद लोगों की मदद करवाना आदि। इस हेतु विभिन्न मुद्दों एवं बिन्दुओं पर सभी जिलों के सदस्यों से विचार-विमर्श एवं रायशमारी करके कार्य योजना तैयार की जा रही है।

वर्तमान में सम्पूर्ण भारतवर्ष में 8 करोड 34 लाख 50 हजार अनुमानित प्रजापति निवासरत है, जिसके अनुसार भारतवर्ष हमारी जनसंख्या 6-7% प्रतिशत है, क्या हमारी देश में उतनी भागीदारी है, और नहीं है तो क्यों नहीं है। प्रजापति समाज को जनसंख्या के अनुपात के आधार पर शासन-सत्ता एवं सरकारी सेवाओं में भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिये। भागीदारी नहीं मिलेगी तो हम संगठन के माध्यम से अपने प्रत्याशी जीताकर लोकसभा, विधानसभा में पहुचाएंगे। देश में हमारे साथ दोहरे मापदंड आपनाए गये है। भारत के कई राज्यों के जिलों में हमें अनुसूचित जाति की श्रेणी में रखा गया है, शेष जिलों में हम अन्य पिछड़ा वर्ग में आते है। देश में एक समाज को दो वर्गो में बांटने की कोशिश की गई हैं। हम प्रजापति समाज के युवाओं एवं समाजसेवियों से अपेक्षा करते है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रजापाति हितकारणी महासभा के सदस्य बने एवं समाज सुधार में अपना अमूल्य योगदान एवं अपनी राय/ विचारों/ सुझावों से हमें अवगत करावे ताकि हितकारणी महासभा इन सभी विचारों का संकलन कर अच्छी कार्य योजना तैयार कर कार्यक्रमों को संपादित कर सके एवं समाज सुधार में अपना योगदान दे सके ।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ.....

Created with
PDFBear.com